आज

NEW DELHI	
15 JULY 2016	6

बेरोजगारी भारत की सबसे बड़ी समस्या, डायरेक्ट सेलिंग से मिलेगा हल

नयी दिल्ली। देश की कमजोर रोजगार स्थितयों के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलंद की गई आवाज के बाद देश में एक लहर दौड़ गई है। भारतीय अर्थयवस्था की मौजूदा स्थितियों और रोजगार की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया स्किल इंडिया अभियान ने सही दिशा में काम किया है। उद्योगों ने भी कुशल कार्यबल के महत्व को समझा है और उनके द्वारा भी अपने संसाधनों में कौशल को शामिल करने के लिए प्रयास किये जाने लगे हैं। 'मेक इन इण्डिया' एक अन्य पहल है जो सभी भारतीय निर्माताओं को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया और लोगों के लिए रोजगार के कई अवसर पैदा किये हैं। इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी जनरल अमित चड्ढा ने कहा कि बेरोजगारी अब भी सरकार की सबसे बड़ी चिंता है, श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भी अधिक रोजगार पैदा करना मुश्किल साबित हो रहा है। यह कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका समाधान पल भर में हो जाए, बल्कि, बेरोजगारी के अनुपात में सुधार करने के लिए सरकार और उद्योगों को मिलकर प्रयास करना होगा, तब एक काल खंड में यह समस्या हल हो पाएगी। डायरेक्ट सेलिंग के बारे में उन्होंने कहा कि डायरेक्ट सेलिंग एक उद्योग है जो देश में 20 सालों से स्व-रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है चूंकि, डायरेक्ट सेलर बनने के लिए कोई प्रतिबंध और दायरा नहीं है, इसलिए समाज के सभी क्षेत्रों, लिंग वर्गों, कुशल क्षेत्रों और हर उम्र के लोग डायरेक्ट सेलिंग से जुड़ रहे हैं। डायरेक्ट सेलिंग में 60 वर्ष के व्यक्ति का भी उतना ही स्वागत है, जितना कि 18 वर्ष के व्यक्ति का डायरेक्ट सेलिंग दिल खोलकर गले लगाता है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में उद्योगों ने देश के हर क्षेत्र के लिए रास्ता बनाया है और गुजरते दिन के साथ इसकी प्रसिद्धि बढ़ती जा रही है। साल 2014-15 में उद्योग ने देश में 40 लाख के करीब स्व-रोजगार के अवसर पैदा किये हैं और आने वाले दिनों में हमें यह आंकड़ा और आगे बढ़ेगा। उस समय जब व्यापर तेज गति से विस्तार नहीं करते हैं, इसका असर देश में रोजगार पैदा होने पर भी पड़ता है।